# संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अम्बिकापुर,(छ.ग.)

## शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय वाड्रफनगर

# भौगोलिक भ्रमण

# प्रतिवेदन

## सत्र – 2022–23

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

प्रभारी
शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय
वाड्रफनगर

# लफरी जल प्रपात का भौगोलिक भ्रमण

## *(GEOGRAPHICAL TOUR OF LAFARI FALLS )*

1. **यात्रा का उद्देश्य (Purpose of Journey)**-छत्तीसगढ़ सरकार ने बी.ए. तृतीय वर्ष प्रायोगिक भूगोल के पाठ्यक्रम में एक या दो दिवसीय भौगोलिक भ्रमण को शामिल किया है, जिससे बी.ए. के छात्र प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों का प्रत्यक्ष अवलोकन कर भौगोलिक समीक्षा करने में समर्थ हों तथा भूगोल को निकट से समझ सकें।

इस वर्ष हमारे महाविद्यालय के भूगोल विभाग ने लफरी जलप्रपात की प्राकृतिक सुन्दरता एवं आकर्षण तथा पठारी स्थल का पर्यटन करने का आयोजन किया था जिससे छात्र लफरी जलप्रपात स्थल का पठारी नैसगिक सौन्दर्य वाले पर्यटन स्थल की पूर्ण जानकारी कर सकें।

2. **यात्रा वृतांत ( Description of Journey)**- शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय वाड्रफनगर, जिला–बलरामपुर– रामानुजगंज (छ.ग.) के हम बी.ए. तृतीय वर्ष के लगभग 175 छात्र/छात्राओं ने इस वर्ष अपने प्राध्यापक गणों के साथ लफरी जलप्रपात का भौगोलिक भ्रमण का आयोजन किया। हम सभी 175 छात्र/छात्राएं अपने भूगोल विभाग/प्राध्यापकों के साथ दिनांक 21.01.2023 को आनंद बस कम्पनी की दो बसों द्वारा वाड्रफनगर से लफरी जलप्रपात के लिये प्रात: 9 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय निर्देशानुसार श्री जगदीश कुमार खुशरो सर के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। महाविद्यालय से निकलकर लफरी जलप्रपात रवाना हुए। रास्ते में बटई, नारोला, गोविंदपुर, रमकोला तमोर पिंगला अभ्यारण्य भेलकच्छ और टमकी के पश्चात् लफरी जलप्रपात लगभग 70 किमी. की दूरी पर चलने के पश्चात् लगभग 11.30 पहुंचकर सबसे पहले हम सभी ने बस से हमारी समस्त समग्री नीचे उतारकर सभी ने नास्ता किया फिर सभी ने भोजन बनाना प्रारंभ किया जिसमें चावल, दाल, पापड चटनी तैयार किये और फिर सभी ने साथ मिलकर भोजन किया।

भौगोलिक भ्रमण के दौरान लफरी जलप्रपात और वहां का वातावरण, धरातलीय बनावट, वन, पहाड़ी भाग के शैल संरचना आदि का अवलोकन कर अपनी पुस्तिका लिखकर हम सारे छात्र/छात्राएं लगभग साम 4 बजे वापसी के लिए रवाना हुए और साम 6.30 बजे तक वाड्रफनगर पहुंचकर सभी अपने–अपने घर रवाना हुएं।

3. **लफरी जलप्रपात का महत्व ( Significance of Lafari Falls )**- लफरी जलप्रपात एक प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण है। यहां पहुंचने से पहले एक लाइन सडक मार्ग के दोनों ओर ऊंची–ऊंची पहाडी दृष्टिगोचर होती है। यहां प्रतिदिन हजारों पर्यटक आते जाते रहते है। यह स्थान आर्थिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है क्योकि पर्यटकों के लिए छोटी–छोटी दुकानें लगाई जाती है तथा मछली पकडना तथा वनोपज भी प्राप्त करते है जैसे– तेन्दुपत्ता, गोंद, पत्ते, फूल, फल, इमारती लकडी, जलाऊ लकडी तथा जडी–बूटियां आदि प्राप्त करके लोगों को आर्थिक रूप से सहयोग मिलता है।

4. **लफरी जलप्रपात (Lafari Fall):-** यह स्थल मुख्य सडक मार्ग से लगभग 600 मी. निचे है। लफरी जलप्रपात सूरजपुर के अन्य प्राकृतिक पर्यटक स्थलों में से एक है। जो पर्यटकों को अपनी खूबसूरती और मनोहारी छटा से अपनी ओर आकर्षित करता है। आज जहां लफरी जलप्रपात है यह रिहंद नदी है जिसका नाम अलग–अलग जगहों पर अलग नामों से जाना

जाता है नदी अपना मार्ग स्वयं बनाकर एक सुन्दर प्राकृतिक वातावरण तैयार हो जाता है। यहा की चट्टानें ग्रेनाइट शैलों से निर्मित है। यहां पर्याप्त मात्रा जल प्रवाहित होता रहता है।

5. **लफरी जलप्रपात पहुंच मार्ग (Lafari Fall Access Road):-** अम्बिकापुर से 98 किमी., सूरजपुर से 59 किमी. 283 किमी., वाड्रफनगर से लगभग 70 किमी स्थित है। **महाविद्यालय से लफरी जल प्रपात पहुंच–**

anistan
Pakistan
New Delhi
नई दिल्ली
Nepal
Bhutan
Lafari Picnic Spot
India
Kolkata
কলকাতা
Myanmar
(Burma)
Mumbai
मुबई
Bengaluru
ಬೆಂಗಳೂರು
Bay of Bengal
Andaman Sea
Sri Lanka
Laccadive Sea
Google

# लफरी जल प्रपात का भौगोलिक विवरण

1. **स्थिति एवं विस्तार (Status and Extent)**– यह स्थल छत्तीसगढ राज्य के सूरजपुर जिले की ओडगी तहसील के अंतर्गत लगभग 46 किमी. की दूरी पर स्थित है। 23.604542 अंश उत्तरी अक्षांश एवं 82.832757 अंश पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।

2. **भू–संरचना (Land Structure)**– आद्यमहाकल्प की प्राचीनतम कठोर शेलों में से एक है। लफरी परिक्षेत्र का पठारी प्रदेश गोण्डवाना लैण्ड का हिस्सा है जो कठोर शैलों से निर्मित तथा तीव्र एवं मंद ढ़ाल वाला प्रदेश है।

3. **अपवाह तंत्र (Drainage system)**– लफरी जल प्रपात रिहंद नदी पर स्थित है और यहां की प्रकृति बहुत ही मनोरम दृश्य प्रस्तुत करती है। जो आगे चलकर उत्तर प्रदेश–मध्यप्रदेश की संयुक्त जल परियोजना का निर्माण किया गया

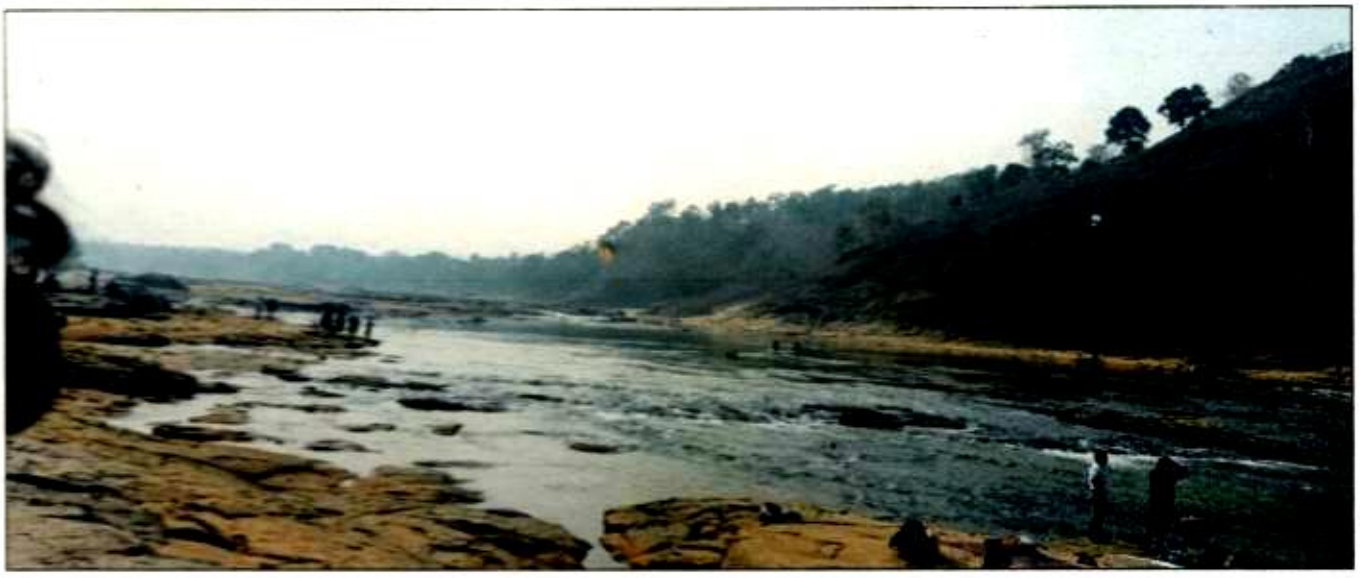

4. **जलवायु तथा मौसम (Climate and Weather)–** छत्तीगढ राज्य का हिस्सा होने के नाते लफरी की जलवायु, प्रदेश की जलवायु के सामान है तथा कर्क रेखा की समीपता के कारण यहां तापान्तर के कारण इसकी एक विशेषता है। ग्रीष्मकाल में लगभग 40 अंश सेन्टीग्रेट तापमान तथा शीतकाल में 18 अंश सेन्टीग्रेट तापमान अंकित किया जाता है। और यहां का औसत तापमान 27 अंश सेन्टीग्रेट तक होता है। मई और जून का तापमान सर्वाधिक अंकित किया जाता है। यहां वर्षा जुलाई से सितम्बर तक होती है, किन्तु कभी कभार चक्रवातों से भी वर्षा हो जाती है।

5. **मृदा (Soil)–** लफरी से लगे हुए गांव जैसे टमकी, थरगी आदि गांव के इन पठारी क्षेत्रों में पथरीली, लाल, पीली, दोमट मृदा पाई जाती है, जो मोटे अनाजों के लिये उपयुक्त है तथा निचले क्षेत्रों मे कुछ उपजाऊ, मृदा पाई जाती है, जिसमें धान, मक्का, गेहुं अरहर, उडद, मूंगफल्ली तथा सब्जियां उगाई जाती है।

6. **प्राकृतिक वनस्पति (Natural Vegetation)–** लफरी जल प्रपात क्षेत्र में साल मुख्य वृक्ष पाये जाते है इसके अलावा महुआ, तेन्दू, बहेडा, नीम, धोडा, मेहलावन बेला (जो पत्तल दोना बनाये जाने वाले), सेमल, आम, चार, शीसम, जामुन, खैर, आंवला, अर्जुन आदि वृक्ष तथा लतायें पायी जाती है।

7. **वन्यप्राणी (Wild Animal)–** यहां विभिन्न प्रकार के जीव जन्तु पाये जाते है जिसमें भालू, चीता, हिरण, खरगोश, सियार, लोमणी, हाथी तथा विभिन्न प्रकार के पक्षी पाये जाते है।

8. **खनिज एवं शक्ति के संसाधन (Mineral and Power Resources )–** लफरी क्षेत्र में खनिज एवं शक्ति के संसाधनों का अभाव है फिर भी मकान बनाने हेतु आवश्यक ग्रेनाइट पत्थर, मुरम गिट्टी आदि प्राप्त होते है।

9. **भूमि उपयोग (Land use)–** यहां के निकटवर्ती गांवों में कृषि की जाती है यहां लगभग 9.82 वर्ग किमी कृषि क्षेत्र है जो कुछ सिंचित तथा कुछ भूमि असिंचित है। यहां की कृषि परपरागत तरीके से की जाती है।

**परिवहन एवं दुरसंचार के साधन (Means of Transport ad Telecommnication)–** लफरी जल प्रपात आने जाने के लिये सडक मार्ग से स्वयं से बस, कार, दो पहिया वाहनों माध्यम से आवागमन किया जाता है। इस क्षेत्र में मोबाइल टॉवर ना होने की वजह से लफरी जल प्रपात क्षेत्र में लागों को संचार सुविधाएं प्राप्त नही हो पाती है।

10. **जनसंख्या और अधिवास (Population and Settlement)–** यहां से लगे गांवों में अधिकांशतः जनजातीय वर्ग के लोग निवास करते है तथा अन्य वर्ग (हिन्दू, मुस्लिम) के भी लोग निवास करते है।

11. **व्यवसाय (Business)–** लफरी क्षेत्र में अधिकांश कृषि कार्य तो नही होता है किन्तु कुछ लोग यहां दुकान लगाकर व्यावसाय करते है।

## समस्याएं एवं समाधान (Problem and Solution)–

1. सडक मार्ग को सुदृण करने की आयश्यकता है।
2. लफरी जल प्रपात तक आने–जाने के लिये उपयोक्त व्यवस्था की जरुरत है।
3. राज्य सरकार को लफरी जल प्रपात को पर्यटन केन्द्र की सूची में शामिल करना चाहिएं।
4. जल प्रपात के पास पर्यटकों हेतु व्यवस्था करना जरूरी है, सुधार की आवश्यकता है।
5. लफरी जल प्रपात में आने वाले लोगों को स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिएं।

महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय के निर्देशानुसार द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए

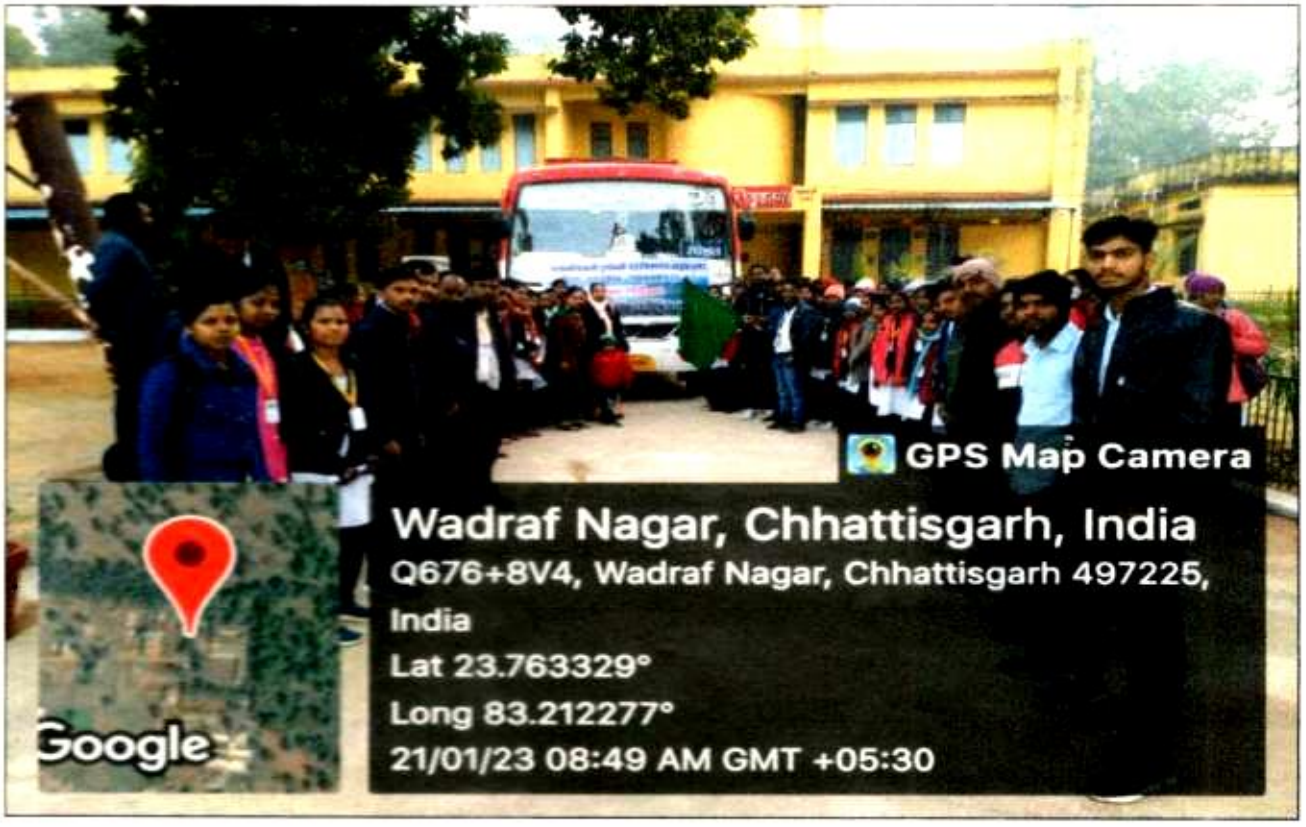

# भौगोलिक भ्रमण के दौरान ली गई तस्वीरें

# लफरी में रिहंद नदी

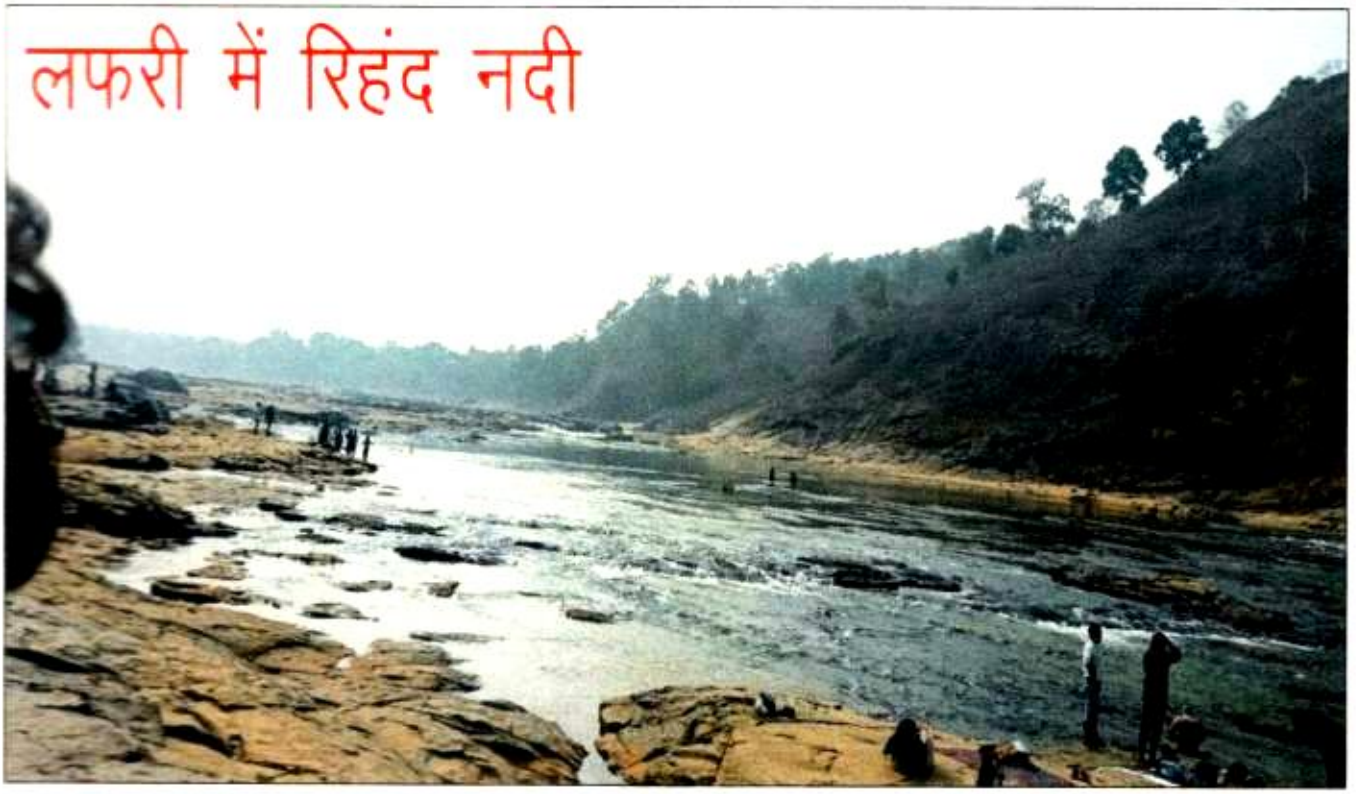

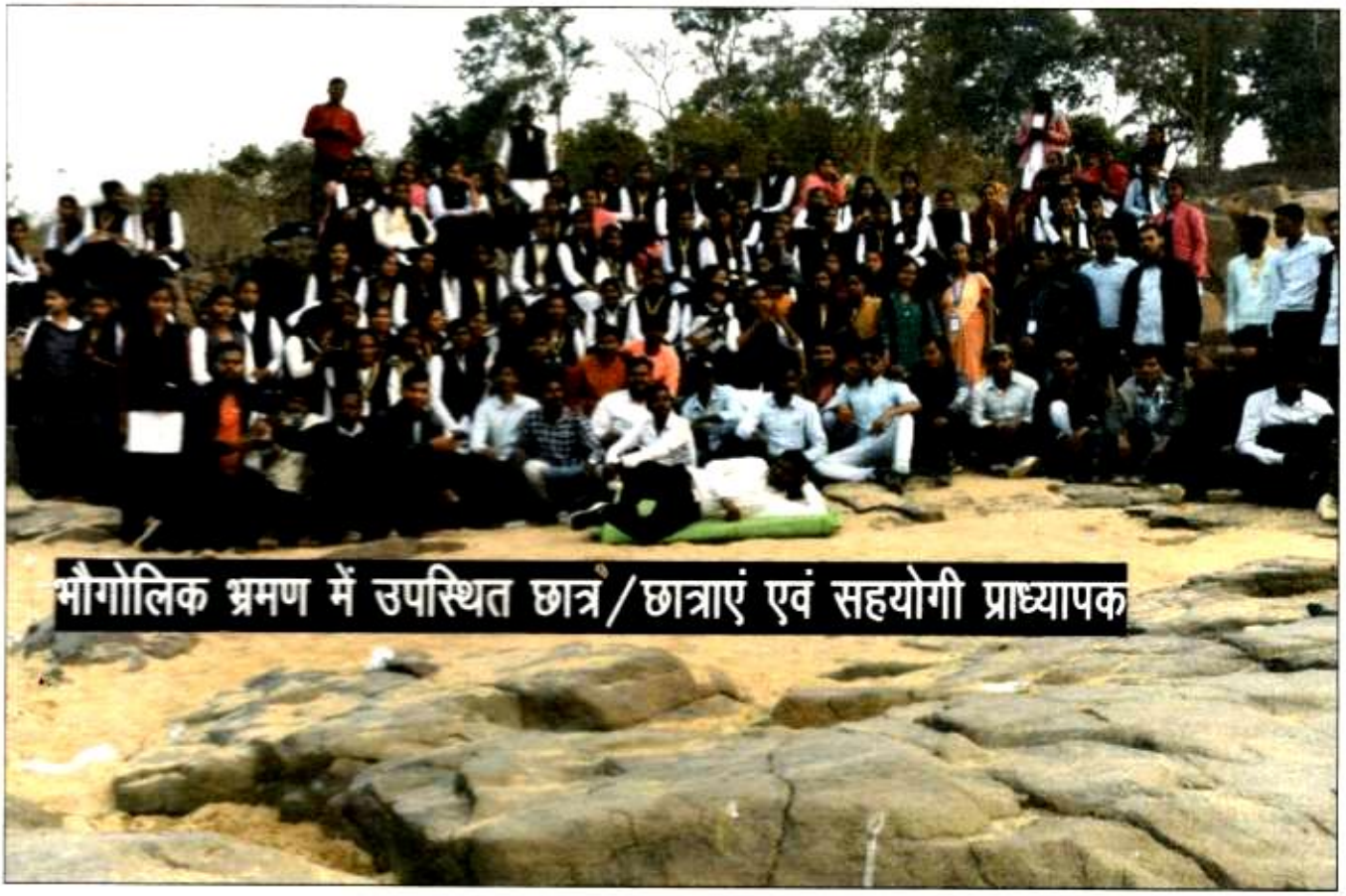

भौगोलिक भ्रमण में उपस्थित छात्र/छात्राएं एवं सहयोगी प्राध्यापक

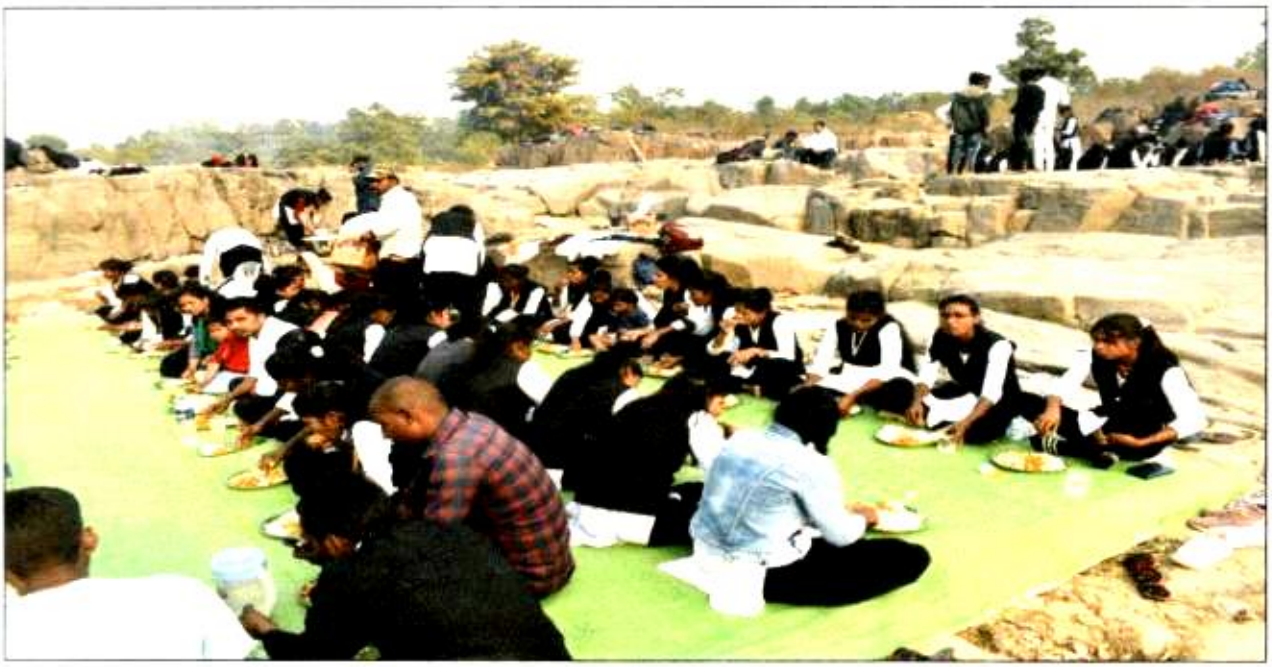

भोजन करते हुए समस्त छात्र/छात्राएं